आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–08 नवम्बर 2025 भोजपुरी समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आजु बनारस रेलवे स्टेशन से देस के चार गो नई वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियन क सौगात दिहलें। येह मौका पर प्रधानमंत्री कहलें कि आजु वंदे भारत, नमो भारत, अमृत भारत जइसन ट्रेन भारतीय रेलवे के अगिला पीढ़ी क नेई धइ रहल हवे। वंदे भारत ट्रेन पर हर भारतीय के गर्व हवे। ई ट्रेन भारतीयन क, भारतीयन की ओरि से अउर भारतीयन बदे बनावल गइल ट्रेन हवे।

आज देश के अलग–अलग हिस्सों में नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत हो रही है। काशी से खजुराहो वंदे भारत के अलावा फिरोजपुर–दिल्ली वंदे भारत लखनऊ–सहारनपुर वंदे भारत और एर्नाकुलम–बेंगलुरु वंदे भारत इसको भी हरी झंडी दिखाई गई है। इन चार नई ट्रेनों के साथ ही अब देश में 160 से ज्यादा नई वंदे भारत ट्रेनों का संचालन होने लगा है।

प्रधानमंत्री मोदी कहलें कि दुनियाभर के विकसित देसन के आर्थिक विकास में ओंहा क इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास क खास रोल रहल हवे। जो त कहीं रोड़ अउर रेल क सुविधा विकसित होला, त ओइजा क विकास सुरू हो जाला। आजु भारतो विकास के राहि पर तेजी से चलि रहल हवें। उहां के कहलीं कि यूपी क विकास एइजा के पर्यटन क बेहतर मौका खोजले हवे।

बीते 11 वर्षों में, यूपी में हुए विकास कार्यों ने तीर्थाटन को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। पिछले साल बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए 11 करोड़ श्रद्धालु काशी आए थे। अयोध्या में 6 करोड़ से ज्यादा लोग रामलला के दर्शन कर चुके हैं। अब बनारस के सैकड़ों नौजवान, अब ट्रांसपोर्ट से लेकर बनारसी साड़ियों तक, हर एक चीज में नए–नए व्यापारों को शुरू कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री कहलें कि कासी येह पूरा क्षेत्र क हेल्थ कैपिटल बन गइल बा।

हमारी सरकार का प्रयास काशी में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार का भी है। महामना कैंसर अस्पताल, शंकर नेत्रालय, बीएचयू में बना अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर, ये सारे अस्पताल आज काशी, पूर्वांचल समेत आसपास के राज्यों के लिए भी वरदान बने हैं। इन अस्पतालों में आयुष्मान भारत और जनऔषधि केंद्र की वजह से आज गरीबों को लाखों लोगों के करोड़ों रुपयों की बचत हो पा रही है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णवो मौजूद रहलें। बनारस– खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस काशीवासियन अउर पूर्वांचल बदे एगो बड़हन उपहार मानल जा रहल बा। एकरे संचालन से धार्मिक अउर सांस्कृतिक पर्यटन के एगो नया आयाम मिली। ई ट्रेन बनारस, प्रयागराज, चित्रकूट अउर खजुराहों जइसन धारमिक अउर सांस्कृतिक जगहिन के जोड़ी।

****

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव आजु बनारस में कैंट अउर काशी रेलवे स्टेशन क दौरा कइलें। पत्रकारन से बतियावत उहां के कहलीं कि आजु बनारस के रेलवे स्टेसन से करीब डेढ़ सौ रेलगाड़ी हइन इनकर संख्या बढ़ावे क तइयारी कइल जा रहल बा। उहां के कहलीं कि बनारस स्टेसन, कासी स्टेसन अउर वाराणसी कैंट स्टेसन ई तिन्नों क एगो मास्टर प्लान बना के दीर्घकालिक विकास कइल जाई। रेलमंत्री कहलें कि कासी में रोपवे क भी काम हो रहल हवे। रोपवे अउर स्टेसन के लेके एगो एकीकृत योजनो बनावल जाइ। बनारस दौरा के दौरान रेलमंत्री बरेका क भी निरीक्षण कइलें।

****

नरेन्द्र मोदी सरकार की ओरि से कई गो क्षेत्रन में जीएसटी दरन में कटौती के साथे बाइस सितंबर से सुरू कइल गइल जीएसटी बचत उत्सव से देस के कॉफी उद्योग अउर प्रसंस्करण क्षेत्रो के फाइदा पहुंच रहल बा। एगो रिपोर्ट–

संशोधित कर ढांचे के अंतर्गत पैकेज्ड कॉफी पर कर कि दर 18: से घटाकर 5: कर दी गई है, जिससे काफी उद्योग को बढ़ावा मिला है। जीएसटी में की गई कटौती से प्रसंस्करण पैकेजिंग और वितरण क्षेत्रों में नए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं। सौम्या के साथ अमन यादव आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

राष्ट्र वंदे मातरम गीत क एक सौ पचासवीं वर्षगांठ मना रहल बा। ई एगो अइसन गीत हवे, जवन पीढ़ियन के एकजुट कइले अउर राष्ट्रीय भावना क पर्व मनावे बदे प्रेरित कइले हौ। वंदे मातरम जइसन अमर गीत के रचइता पर प्रस्तुत हवे एगो रिपोर्ट–

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय भारत के अग्रणी साहित्यकारों में से एक और आधुनिक भारतीय साहित्य के अग्रदूत थे। 1838 में बंगाल क्षेत्र में जन्मे बंकिम चंद्र के प्रसिद्ध उपन्यास आनंदमठ में देशभक्तिपूर्ण भजन वंदे मातरम पहली बार प्रकाशित हुआ था। यह गीत मातृभूमि को शक्ति, समृद्धि और दिव्यता के अवतार के रूप में प्रस्तुत करता है और भारत की एकता और स्वाभिमान की जागृत भावना को कविता का स्वर देता है। शिवांग और सौम्या की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से, मैं मुकेश कुमार बल।

****

मौसम विभाग चौदह नवंबर ले प्रदेसभर में मौसम सुक्खल रहले का आगम जतवले हवे। विभाग के हिसाबि से फिलहाल तापमान में कउनो बड़हन बदलाव भइले का आगम नइखे।

****